विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 10-04-2021

वर्ग पंचम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

हम वर्णमाला से शुरुवात करते हैं। वर्णमाला को पूरी तरह से जानना आवश्यक है। आजकल ज्यादातर विघालयों मे पुरी वर्णमाला नहीं सिखाई जाती, कुछ अक्षर छोड दिए जाते है, पर मैं इस ब्लाग पर पुरी वर्णमाला की जानकारी दूगाँ ।

हिन्दी वर्णमाला स्वर और व्यञ्जन से मिलकर बनी है।

स्वर

स्वर अपने आप मे पूरे होते हैं। उन्हें उच्चारण किसी और अक्षर की जरूरत नहीं होती। हिन्दीं वर्णमाला में 16 स्वर हैं।

अ

आ

इ

ई

उ

ऊ

ऋ

ॠ

ऌ

ॡ

ए

ऐ

ओ

औ

अं

अः

व्यञ्जन

व्यञ्जन अपने आप में पूरे नहीं होते। उनके उच्चारण के लिए स्वर की आवश्यकता होती है। हिन्दीं वर्णमाला में 35 व्यञ्जन हैं।

जैसे

क = क् + अ (अ से मिलकर पूरा क बनता है)

कण्ठय Gutturals

क्

ख्

ग्

घ्

ङ्

तालव्य Palatals

च्

छ्

ज्

झ्

ञ्

मूर्धन्य Linguals

ट्

ठ्

ड्

ढ्

ण्

दन्तय Dentals

त्

थ्

द्

ध्

न्

ओष्ठय Labials

प्

फ्

ब्

भ्

म्

अन्तःस्थ Semi Vowel

य्

र्

ल्

व्

Sibilant

श्

ष्

स्

Aspirate

ह्

इसके इलावा 3 प्रकार के ॐ होते है।